Shree Greater Bombay Vardhman Sthanakvasi Jain Mahasangh-Mumbai
Conducted
MATUSHREE MANIBEN MANSHI BHIMSHI CHHADVA DHARMIK SHIKSHAN BOARD – MUMBAI
ધાર્મિક શિક્ષણ બોર્ડ
Website : jaineducationboard.org E-mail : jainshikhshanboard@gmail.com

७ जुलाई २०२४ – जैनशाळा पेपर - गुण : १०० - समय : ९ से १२

OPEN BOOK / REGULAR

श्रेणी- १

WRITER	YES / NO

Student Name		Roll No.	
Date of Birth		Mobile No.	
Sangh Name		Supervisor Name	
Jainshala Name		Supervisor's Signature	

Marks

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	Total

प्रश्न.१ सूत्र विभाग **(४०)**

(ए) पाठनी पूर्ति करो. **(१६)**

१) आयरियाणं ....., ..., ..., ..., नमोक्कारो

२) पयाहिणं ....., ..., ..., ..., कल्लाणं

३) ओसा ....., ..., ..., ..., मक्कडा

४) खासिअेणं ....., ..., ..., ..., भमलीए

(बी) नीचे दिए गए शब्दोके अर्थ लखो। **(०८)**

(नमस्कार पद, पांचरंगकीकाई (लीलन), छींक आनेसे, लोकमें रहेनेवाले, सिवाय, जीवनसे, आप धर्मदेव रुप हो, इत्यादि)

(१) पणग - _____ (५) लोए - _____

(२) अन्नत्थ - _____ (६) जीवियाओ - _____

(३) देवय - _____ (७) छीअेणं - _____

(४) नमोक्कारो - _____ (८) अेवमाईअेहिं - _____

(सी) नीचे दिए गये शब्दोके अर्ध के मागधी शब्द लिखो। **(०८)**

(सव्व, सक्कारेमि, लेसिया, दग, कम्माणं, मुच्छाअे, अप्पाणं, वंदामि)

(१) आत्माको - _____ (५) जमीन पर रगडा हो - _____

(२) कर्मोका - _____ (६) स्तुती करता हूँ। - _____

(३) सर्व - _____ (७) कच्चा पानी - _____

(४) सत्कार करता हूँ - _____ (८) मूर्च्छा आनेसे - _____

(डी) वाक्य सच है या झुठ है वह लिखो। **(०८)**

(१) आत्मिक शत्रुको हरानेवालो को सिध्ध कहते है। ☐

(२) नवकारमंत्रमें 'नमो' शब्द विनय सूचक शब्द है। ☐

(३) प्रतिक्रमणके तीसरे पाठ द्वारा मध्यम वंदना की जाती है। ☐

(४) वंदना करनेसे उच्च गोत्र कर्मका बंध होता है। ☐

(५) चींटिया पर पाऊडर छिड़कनेसे लेसिया का दोष लगता है। ☐

(६) कोई भी चीज लेते - रखते समय ध्यान रखना चाहिए। ☐

(७) हम कायोत्सर्ग पापका प्रायश्चित करने के लिए करते है। ☐

(८) कायोत्सर्ग करने से नए कर्म का बंध होता है। ☐

प्र.२) सामान्य समज के आधार। **(१३)**

(१) तीर्थंकर के नाम : 4: ..... 19: ..... 11:.....

(२) गणधर के नामः 5: ..... 11: ..... 9:.....

(३) सती के नामः 3: ..... 7: ..... 11:.....

(४) छकाय के नाम : 1: ..... 4: .....

(५) छ द्रव्य के नाम : 2:..... 5: .....

(६) खाली जगा भरो। **(०७)**

(१) चौबीस भगवानका नाम का स्मरण करने से ..... कर्मोका नाश होता है।

(२) भगवान महावीर को देशनामे ..... व्यक्तियोंको बारह अंगोका ज्ञान प्राप्त हुआ।

(३) ..... कर्म भौतिक सुख दुःख का अनुभव कराता है।

(४) साधु की ..... पर कपड़ा बांधा जाता है।

(५) माला में ..... पारे होते है।

(६) पुस्तक को रखने के साधन को ..... कहा जाता है।

(७) प्रभु की अगाध करुणा बरस रही है .....।

प्र.३) संस्कार विभाग। **(१५)**

(ए) वाक्य सचा है या जुठा है वह लिखो।

(१) जय जिनेन्द्र बोलनेसे अपने विचार शुध्ध होते है। ☐

(२) आहार के चार प्रकार बताए गए है। ☐

(३) जब भूख लगे तब ही आहार ग्रहण करना चाहिए। ☐

(४) अरिहंत और सिध्ध भगवान अपने गुरु है। ☐

(५) No Food after Sunset. ☐

(६) धर्मका मूल विवेक है । ☐

(७) विनयगुण से उच्च गोत्र कर्मका बंध होता है। ☐

(८) विनय आभ्यंतर तप है। ☐

(९) ऊपकारी के ऊपकार मानने से आत्माकी प्रगति होती है।

(१०) ऊपकारभाव का अर्थ है आभार भाव।

(११) ज्यादा से ज्यादा हर छ महिने में कोई एक आत्मा सिध्धगतिको प्राप्त करता है।

(१२) कंदमूळमें अनंत जीव होते है।

(१३) भोजनका स्वाद बढाने के लिए ऊपर से कच्चा नमक लेना चाहिए ।

(१४) सुबह उठकर माता-पिता को जय जिनेन्द्र करना चाहिए।

(१५) जय जिनेन्द्र बोलनेसे Ego आता है।

प्र.४) धर्म अने विज्ञान **(०५)**

एक शब्द में उत्तर दिजिए।

(१) किसमें प्रेम और संवेदनाए होती है ? _____

(२) भगवान कहां पर देशना देते है ? _____

(३) कौन से खाने का त्याग करना चाहिए ? _____

(४) सभी जीव मेरे कौन है ? _____

(५) धर्म का हृदय क्या है ? _____

प्र.५) कहानी विभाग। **(१०)**

खाली जगा भरो।

(१) प्रतिष्ठान नामक गाँव में ..... नामक एक बढ़ई (सुथार) रहता था।

(२) ..... सबसे अच्छा, श्रेष्ठ दान है।

(३) शांतिनाथ भगवान के पूर्वका तीसरा भव यानी ..... का भव।

(४) देव मायावी ..... का पल्ला ही भारी रहा।

(५) ..... नगरी में कमठ नामका अेक मिथ्याधर्मी संन्यासी रहता था।

(६) कमठ नामक तापस मृत्यु पामकर ..... बना।

(७) आद्रकुमार का जन्म अेक ..... देशमें हुआ था।

(८) हम सब को ..... कुल में जन्म मिला है।

(९) हमें सच्ची समझ देनेवाले ..... मिले हैं।

(१०) नयसार ..... को रास्ता दिखाने के लिए उनके साथ जाता है।

प्र.६) काव्य विभाग। **(१०)**

रिक्त स्थानों की पूर्ति किजिए।

(१) ..... अतिशय से देदीप्यमान, देवाधिदेव हैं। (चौतीस, पैतीश)

(२) स्वाध्याय करवाए वे तो ..... है। (ज्ञानदेव, धर्मदेव)

(३) अहिंसा - सत्य को ..... में उतारो। (मनमें, जीवनमें)

(४) ..... जीवन जीना है। (दयामय, कषायमय)

(५) क्षमा के गुण बार बार, ... ने गाए है। (प्रभुवीर, गौतम)

(६) तप धर्म से सुशोभित, ... ने प्रथम स्थान पाया है। (सुलसाजी, धन्नाजीने)

(७) ..... कहे सबसे, घमंड कर नीच गोत्र में जाओ ना। (नागश्री, मरीचीजी)

(८) शंका करी ..... बनो नो। (सर्प, किल्वीषी)

(९) ..... कहे सबसे मोह राखी दुर्गती में जाओ ना। (नंदमणियार, द्रौपदीजी)

(१०) ..... मोक्ष का मूळ है। (तप, भक्ति)